राजस्थान-सरकार

निदेशालय संस्कृत शिक्षा राजस्थान, जयपुर

क्रमांकः-निसंशि/शैक्ष-1/पं.4(तं)36 पार्ट।/2014/ 235/3-586 दिनांक 01/10/2014

समस्त प्राचार्य,
राजकीय/अराजकीय आचार्य/शास्त्री संस्कृत
महाविद्यालय, राजस्थान।

विषयः-महाविद्यालयों में "स्वच्छ भारत स्वच्छ महाविद्यालय" अभियान चलाने के संबंध में
प्रसंगः-आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर के पत्रांक एफ. 7(4)स्वच्छता/अकाद/निकशि /2014/140/ दिनांक 30.09.2014 के क्रम में।

महोदय,

केन्द्र सरकार के अनुरूप राज्य सरकार ने भी राज्य में स्थित सभी महाविद्यालयों में "स्वच्छ भारत स्वच्छ महाविद्यालय" अभियान दिनांक 02.10.2014 से 15.08.2015 तक चलाने का निर्णय लिया है। अभियान के माध्यम से न केवल महाविद्यालय परिसरों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जानी है, अपितु विद्यार्थियों में महाविद्यालयों की स्वच्छता के प्रति प्रारंभिक स्तर से जागृति भी पैदा करना है। आप अपने महाविद्यालयों में 02.10.2014 से आवश्यक रूप से स्वच्छता अभियान का प्रारंभ करें। इस अभियान के तहत महाविद्यालयों में मुख्य रूप से निम्नानुसार गतिविधियां सम्पादित की जानी है।

क्र.सं.	तिथि व माह	गतिविधियों का विवरण
1.1	02 अक्टूबर 2014	सामान्य प्रशासन विभाग ग्रुप-2 के आदेश क्रमांक पं.24(6) साप्र/2/2014 दिनांक 29.09.2014 की अनुपालना हेतु आयुक्तालय के आदेश क्रमांक एफ() आयो/आकशि/14/2857-63 दिनांक 30.09.2014 में उल्लेखित स्वच्छता अभियान के तहत निर्धारित कार्यक्रमों का आयोजन।
1.2	07 से 11 अक्टूबर 2014 (5 दिवस)	महाविद्यालयों के समस्त विद्यार्थियों की सभा आयोजित कर स्वच्छता के विभिन्न पहलूओं पर विशेषकर स्वच्छता से संबंधित राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के विचारों के बारे में विद्यार्थियों को उद्बोधन दिया जाना, स्वच्छता अभियान के देख-रेख हेतु विद्यार्थी समूह/मण्डलों का गठन/महाविद्यालय में स्थित उद्यान बगीचों इत्यादि की सफाई शौचालयों, पीने के पानी की टंकियों एवं इनसे संबंधित क्षेत्र, रसोईघर, भण्डार कक्ष इत्यादि की सफाई।
1.3	13 से 17 अक्टूबर 2014 (5 दिवस)	खेल के मैदानों की सफाई, महाविद्यालय में स्थित महापुरुषों इत्यादि की मूर्तियों की सफाई।
1.4	28 से 31 अक्टूबर 2014 (4 दिवस)	कक्षा कक्षों, प्रयोगशालाओं, वाचनालयों एवं पुस्तकालयों की सफाई।
02	01 नवम्बर 2014 से 15 अगस्त 2015	महाविद्यालयों भवनों की वार्षिक मरम्मत, रंगरोगन इत्यादि, स्वच्छता से संबंधित निबन्ध, चित्रकला प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, भाषण एवं अन्य प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करना, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्काउटिंग एवं एनसीसी के विद्यार्थियों के माध्यम से सभी विद्यार्थियों में तथा एनएसएस द्वारा गोद ली गई बस्ती में उक्त अभियान के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना।

इस अभियान में समाज के विभिन्न वर्गों, दानदाताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, जनप्रतिनिधिगण जिला प्रशासन, नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों एवं जिला प्रशासन के सक्रिय सहयोग व श्रमदान द्वारा सम्पादित किया जाना है। अभियान में जिला प्रशासन सहित उक्त सभी से वांछित सहयोग लेने के लिए प्राचार्य अपने स्तर पर सम्पर्क करें।

स्वच्छता अभियान के सुचारू एवं सफल क्रियान्वयन के लिए महाविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य को नोडल अधिकारी नामित कर महाविद्यालय स्वच्छता अभियान समिति का गठन करें, जिसमें एनएसएस, एनसीसी, स्काउट, युवा कौशल विकास के प्रभारियों, सभी विभागों के वरिष्ठतम व्याख्याताओं को सदस्य बनाया जावे। महाविद्यालय परिवार और विद्यार्थियों में स्वच्छता की भावना को व्यवहार में लाने के लिए प्राचार्य अपने स्तर पर समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें।

उपरोक्त तालिका में बिन्दु संख्या 1.1 से 1.4 में वर्णित कार्यों की प्रगति रिपोर्ट दिनांक 03.11.2014 तक ई-मेल director.sanskrit@gmail.com पर भिजवाना सुनिश्चित करें।

भवदीय

(डॉ० मण्डन शर्मा)
निदेशक
संस्कृत शिक्षा राजस्थान, जयपुर

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आजाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर कर के भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान कर के स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा।

मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूंगा।

मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव–गांव और गली–गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा।

वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।'